एफपीआई के निवेश पर दिखेगा असर

बाजार में आईपीओ की भरमार और फेड के कदमों से तय होगी एफपीआई की चाल

ऐश्ली कुटिन्हो
मुंबई, 7 जुलाई

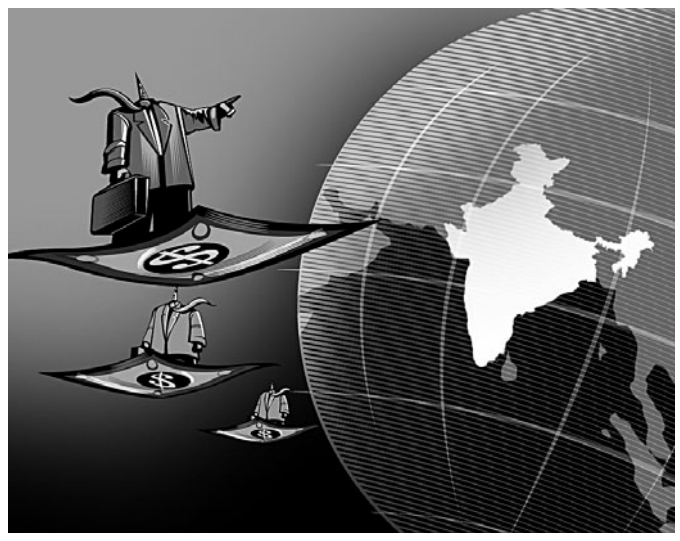

कैसा रहेगा रुख

- **एफपीआई की तरफ से विभिन्न बाजारों में होने वाले निवेश में भारत का भारांक भी है, जो कमोबेश बेंचमार्क वैश्विक सूचकांकों के भारांक के मुताबिक है और यह बार-बार नहीं बदलता**
- **बड़े आईपीओ आ रहे हैं, ऐसे में पोर्टफोलियो में कुछ अदलाबदली हो सकती है**

प्राथमिक बाजार में पेशकश की भरमार, नतीजे के सुस्त सीजन और फेडरल रिजर्व की तरफ से प्रोत्साहन से जुड़े कदमों पर विराम की संभावना से विदेशी निवेशकों की तरफ से अल्पावधि में भारतीय इक्विटी की बिकवाली की रफ्तार तेज हो सकती है। अगले कुछ हफ्तों में एक दर्जन से ज्यादा कंपनियां आरंभिक सार्वजनिक निर्गम पेश कर रही हैं और इसके जरिए करीब 30,000 करोड़ रुपये जुटाएंगी। इनमें जोमैटो, ग्लेनमार्क लाइफ साइंसेज, उत्कर्ष स्मॉल फाइनैंस बैंक और सेवन आइलैंड्स शिपिंग शामिल हैं।

अल्फानीति फिनटेक के सह-संस्थापक और निदेशक यू आर भट्ट ने कहा, एफपीआई की तरफ से विभिन्न बाजारों में होने वाले निवेश में भारत का भारांक भी है, जो कमोबेश बेंचमार्क वैश्विक सूचकांकों के भारांक के मुताबिक है और यह बार-बार नहीं बदलता। बड़े आईपीओ बाजार में पेश हो रहे हैं, ऐसे में उनके पोर्टफोलियो में कुछ अदलाबदली हो सकती है, जिससे द्वितीयक बाजार में हिस्सेदारी बिक्री व आईपीओ में भागीदारी हो सकती है।

एफपीआई का परिदृश्य नतीजे के सीजन पर भी निर्भर करेगा। जून में जीएसटी संग्रह कई महीनों में पहली बार 1 लाख करोड़ रुपये से नीचे आ गया, जो कोरोना की दूसरी लहर के बीच सुस्त आर्थिक गतिविधियों का संकेत दे रहा है। देश के कई इलाकों में सख्त लॉकडाउन है, जो पहली तिमाही के नतीजों से जुड़े परिदृश्य पर असर डाल सकता है।

एवेंडस कैपिटल पब्लिक मार्केट्स ऑल्टरनेट स्ट्रैटिजीज के सीईओ एंड्रयू हॉलैंड ने कहा, विकसित दुनिया में बढ़त की रफ्तार भारत जैसे उभरते बाजारों के मुकाबले तेज रही है। भारत में टीकाकरण काफी कम हुआ है। भारतीय कंपनियों के पहली तिमाही के नतीजे शायद ही बहुत अच्छे रहेंगे। साथ ही उच्च महंगाई के अनुमान से अगर फेड ब्याज दरों पर तेजी से सख्ती बरतता है तो अल्पावधि में डॉलर मजबूत हो सकता है, जो भारत जैसे उभरते बाजारों के लिए ठीक नहीं होगा।

वास्तव में वैश्विक आर्थिक सुधार का रुख अलग-अलग है क्योंकि अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोप में बाकी दुनिया के मुकाबले तेजी से आर्थिक बढ़त हो रही है। फेडरल रिजर्व के अधिकारियों ने परिसंपत्ति खरीद कार्यक्रम में सख्ती पर बातचीत शुरू कर दी है और ब्याज दरों में बढ़ोतरी के अनुमान को 2023 की ओर बढ़ा दिया है।

क्रेडिट सुइस वेल्थ मैनेजमेंट के प्रमुख (इंडिया इक्विटी रिसर्च) जितेंद्र गोहिल ने हालिया नोट में कहा है, अगर डॉलर तेजी से बढ़ता है तो एफपीआई की तरफ से भारत से निवेश निकासी का जोखिम है, लेकिन हमारी राय यह है कि भारत में फंडामेंटल में सुधार को देखते हुए एफपीआई की निकासी सीमित रहेगी और साल 2013 के मुकाबले काफी कम रहेगी।

गोहिल ने कहा, आगामी महीनों में टीकाकरण में तेजी लाकर भारत खतरनाक तीसरी लहर को टाल सकता है। अगर भारत टीकाकरण में तेजी लाता है तो भारत के लिए औसत से ज्यादा प्रीमियम मूल्यांकन बना रह सकता है। पिछले 11 कारोबारी सत्रों में एफपीआई ने 4,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की शुद्ध बिकवाली की है। इस साल अब तक उन्होंने 50,000 करोड़ रुपये से ज्यादा के शेयर खरीदे हैं जबकि देसी म्युचुअल फंडों ने 9,700 करोड़ रुपये के शेयरों की बिकवाली की है।

सेंसेक्स पहली बार 53,000 के ऊपर बंद

निफ्टी 50 61 अंक चढ़कर 15,879.65 के नए सर्वकालिक स्तर पर बंद हुआ

सुंदर सेतुरमन
मुंबई, 7 जुलाई

बेंचमार्क सेंसेक्स बुधवार को पहली बार 53,000 अंक के ऊपर बंद हुआ। 30 ब्लू-चिप शेयरों का सूचकांक 193 अंक या 0.37 प्रतिशत की बढ़त के साथ 53,054 पर बंद हुआ। निफ्टी 50 सूचकांक 61 अंक या 0.4 प्रतिशत चढ़कर 15,879.65 के नए सर्वकालिक स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स 15 फरवरी को पहली बार 52,000 अंक के ऊपर बंद हुआ था।

पहले के 10 के मुकाबले नवीनतम 1,000 अंकों की बढ़त का यह रुख सबसे धीमा रहा है। 51,000 से 52,000 अंकों तक पहुंचाने वाला पिछले 1,000 अंकों का इजाफा फरवरी में केवल पांच कारोबारी सत्रों में ही हो गया था। अमेरिका के 46वें राष्ट्रपति के रूप में जो बाइडेन के आने के बाद इस तेजी में वैश्विक जोखिम के बीच ऐसा हुआ था। सेंसेक्स के 42,000 से 43,000 तक के सफर में 205 दिन लग गए थे, क्योंकि मार्च 2020 में कोविड के प्रकोप से तेज बिकवाली के कारण सूचकांक 26,000 से नीचे आ गया था।

धातु कंपनी के शेयरों में बढ़त और बैंकिंग तथा वित्तीय क्षेत्र के बड़े शेयरों ने बुधवार को बाजार को नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया।

सूचकांक पर सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला शेयर टाटा स्टील का रहा। कंपनी द्वारा यह घोषणा किए जाने के बाद कि वह भारत में अपनी वार्षिक क्षमता बढ़ाने की योजना बना रही है, यह शेयर 4.4 प्रतिशत बढ़कर बंद हुआ।

चीन की व्यापक कॉर्पोरेट कार्रवाई और चक्रीय शेयरों में बिकवाली के बीच वैश्विक स्तर पर एशियाई इक्विटी में गिरावट आई है। निवेशकों ने फेडरल रिजर्व की पिछली बैठक के मद्देनजर भी इसे कुछ समय के लिए थामे रखा, जो अमेरिकी मौद्रिक नीति में आक्रामक रुख की पुष्टि कर सकती थी।

जून में नकद व वायदा वॉल्यूम घटा

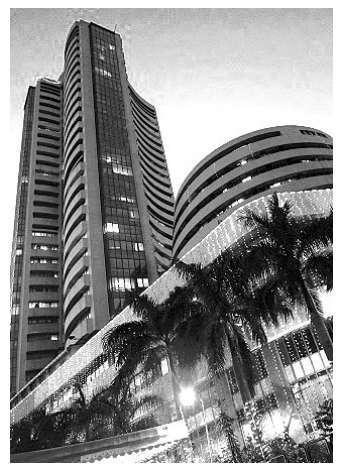

इक्विटी नकद और वायदा खंड के कारोबार का टर्नओवर में जून में क्रमश: आठ प्रतिशत और नौ प्रतिशत की महीना-दर-महीना (एमओएम) गिरावट आई है। वॉल्यूम में इस गिरावट के लिए विशेषज्ञों ने पीक मार्जिन के नए नियमों को जिम्मेदार ठहराया है और बाजार में साइडवेज मूवमेंट को इसकी वजह के तौर पर देखा जा रहा है। इस बीच ऑप्शन खंड में औसत दैनिक कारोबारी टर्नओवर (एडीटीवी) महीना-दर-महीना छह प्रतिशत बढ़ा है।

सैमको सिक्योरिटीज की इक्विटी रिसर्च प्रमुख निराली शाह ने हालिया नोट में कहा है कि वॉल्यूम में इस गिरावट का जिम्मेदार मुख्य रूप से या तो पीक मार्जिन के नए नियमों की अपेक्षाएं हैं या मौजूदा स्तरों पर निवेशकों का कम होता विश्वास है, जो निफ्टी 50 के 15,800 के निशान को छूने और उन स्तरों को बनाए रखने में सक्षम नहीं होने से उचित स्पष्टीकरण प्रतीत होता है। 75 प्रतिशत पीक मार्जिन के नियम 1 जून से लागू हुए हैं। ब्रोकिंग उद्योग के भागीदारों ने प्रणाली में फायदा उठाने वाले दांव को कम कर दिया है। इसका असर मुख्य रूप से वायदा खंड में ही अनुभव किया जा रहा है। एक अनपेक्षित परिणाम यह हुआ है कि कारोबारियों ने अधिक जोखिम वाले विकल्प खंड की ओर रुख कर लिया है।

ये नियम चरणबद्ध तरीके से लागू किए जा रहे हैं, जो दिसंबर 2020 से शुरू हुए थे। दिसंबर 2020 और फरवरी 2021 के बीच कारोबारियों को पीक मार्जिन का कम से कम 25 प्रतिशत स्तर बनाए रखना था। मार्च और मई के बीच इस मार्जिन को बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया गया था। अगस्त तक इसे बढ़ाकर 75 प्रतिशत कर दिया गया है और अंत में 1 सितंबर से 100 प्रतिशत तक कर दिया गया है।

समी मोडक

बीमा क्षेत्र में विदेशी निवेशकों का 40 फीसदी निवेश

सुंदर सेतुरामन
मुंबई, 7 जुलाई

एफपीआई का निवेश

एफपीआई ने किन क्षेत्रों में किया निवेश और किनसे निकाली रकम

निवेश वाले क्षेत्र	निवेश (करोड़ डॉलर)
बीमा	96.6
ऑटो	37.1
बैंक व वित्तीय क्षेत्र	34.1
निकासी वाले क्षेत्र	**निकासी (करोड़ डॉलर)**
परिवहन व लॉजिस्टिक्स	30.0
मीडिया	08.1
दूरसंचार	05.1

स्रोत : एनएसडीएल, आईआईएफएल ऑल्टरनेटिव रिसर्च

बीमा क्षेत्र के शेयरों ने देसी बाजार में जून में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश का 40 फीसदी से ज्यादा आकर्षित किया। विदेशी निवेशकों ने पिछले महीने कुल 2.35 अरब डॉलर निवेश किया, जिसमें से बीमा कंपनियों ने 0.97 अरब डॉलर का निवेश हासिल किया। आईआईएफएल सिक्योरिटीज के नोट में ये बातें कही गई है।

बीमा के बाद ऑटोमोबाइल व बैंक और वित्तीय शेयरों में क्रमश: 37.1 करोड़ डॉलर और 34.1 करोड़ डॉलर का निवेश हुआ। एफपीआई भारांक के मामले में बीमा कोई बड़ा क्षेत्र नहीं रहा है। एफपीआई के कोष में इस क्षेत्र की हिस्सेदारी महज 2.5 फीसदी है। इसकी तुलना में देश में होने वाले एफपीआई निवेश का करीब एक तिहाई बैंकिंग व बीमा क्षेत्र में है।

विशेषज्ञों ने कहा कि बीमा क्षेत्र में असामान्य उच्च निवेश की वजह एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी में ब्लॉक डील है। जून में स्टैंडर्ड लाइफ ने एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी का 5 फीसदी हिस्सा बेचकर करीब 6,784 करोड़ रुपये जुटाए। बाजार पर नजर रखने वालों ने कहा कि शेयर बिक्री में एफपीआई की खासी मांग देखने को मिली।

आईआईएफएल सिक्योरिटीज के उपाध्यक्ष श्रीराम वेलायुधन ने कहा, निवेश में बीमा क्षेत्र को काफी लाभ मिला है और ब्लॉक डील से इसका अहम हिस्सा हासिल हुआ। ब्लॉक डील की वैल्यू को समायोजित करने के बाद शुद्ध निवेश काफी उत्साहजनक रहा है।

उन्होंने कहा कि एफटीएसई की तरफ से दोबारा संतुलन के कारण वाहन क्षेत्र में एफपीआई निवेश बढ़ा है। इस बीच, परिवहन व लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में अधिकतम 30 करोड़ डॉलर की एफपीआई निवेश निकासी हुई। इसके बाद मीडिया व दूरसंचार क्षेत्र का स्थान रहा, जहां से जून में क्रमश: 8.1 करोड़ डॉलर और 5.1 करोड़ डॉलर की निकासी हुई।

क्षेत्रीय भारांक के लिहाज से आईटी व एफएमसीजी में क्रमश: 90 आधार अंक व 63 आधार अंक की बढ़ोतरी हुई और यह क्रमश: 14.02 फीसदी व 12.32 फीसदी पर पहुंच गया। बैंकिंग व वित्तीय क्षेत्र में एफपीआई भारांक 85 आधार अंक घटकर 32.01 फीसदी रह गया। आईआईएफएल सिक्योरिटीज के आंकड़ों से यह जानकारी मिली।

म्युचुअल फंडों की एयूएम 3.3 प्रतिशत बढ़ीं

जून 2021 के दौरान घरेलू म्युचुअल फंड (एमएफ) उद्योग के लिए प्रबंधन अधीन औसत परिसंपत्तियां (एएयूएम) तिमाही आधार पर 3.3 प्रतिशत बढ़कर 33.14 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गईं। कई परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों (एएमसी) ने अपनी परिसंपत्तियों में उद्योग के अनुरूप वृद्धि दर्ज की। हालांकि कई मझोली और छोअे आकार की एएमसी ने अपनी परिसंपत्तियों में बड़ा सुधार दर्ज किया। एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़े से पता चलता है कि क्वांट एमएफ, ट्रस्ट एमएफ, आईटीआई एमएफ, पीपीएफएएस एमएफ और पीजीआईएम इंडिया एमएफ जैसे फंड हाउस एएयूएम वृद्धि के संदर्भ में शानदार प्रदर्शक थे। क्वांट एमएफ की एएयूएम 127 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ीं। अन्य फंडों ने 24 से 38 प्रतिशत के दायरे में एयूएम वृद्धि दर्ज की।

पीजीआईएम इंडिया एमएफ के मुख्य कार्याधिकारी अजीत मेनन ने कहा, 'हमारे घरेलू फंडों ने शानदार प्रदर्शन किया है जिसे देखते हुए हमारी ज्यादातर वृद्धि इक्विटी श्रेणी में हासिल हुई है। इसके अलावा, जहां तक पीजीआईएम एमएफ का सवाल है, हमारे अंतरराष्ट्रीय फंडों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है। छोटे फंड हाउस के तौर पर हमारे पास नई योजनाओं के साथ अंतर दूर करने का अवसर है। हाल में हमने एक बैलेंस्ड एडवांटेज फंड पेश किया जिसे निवेशकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली है।' एसबीआई एमएफ 5.23 लाख करोड़ रुपये की एएयूएम के साथ अपने नंबर वन स्थान पर काबिज है, जिसके बाद एचडीएफसी एमएफ और आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एमएफ का स्थान है। दूसरी तरफ, फ्रैंकलिन टेम्पलटन एमएफ ने अप्रैल-जून तिमाही में अपनी एएयचूएम में 27 प्रतिशत तक की कमजोरी दर्ज की। येस एमएफ, बीओआई अक्सा एमएफ और इंडियाबुल्स एमएफ जैसे अन्य फंड हाउसों ने भी अपनी एएयूएम में गिरावट दर्ज की।

चिराग मडिया

निवेशकों को भा रहीं एएमसी

जून तिमाही के दौरान इन फंड हाउसों की परिसंपत्तियों में आई भारी तेजी और गिरावट

वृद्धि वाले	एयूएम (करोड़ रु. में)	बदलाव प्रतिशत तिमाही आधार पर
क्वांट एमएफ	1,642	127
ट्रस्ट एमएफ	858	37
आईटीआई एमएफ	1,562	33
पीपीएफएएस एमएफ	11,343	30
पीजीआईएम इंडिया	8,110	24
वृद्धि वाले	**एयूएम (करोड़ रु. में)**	**बदलाव प्रतिशत तिमाही आधार पर**
फ्रैंकलिन टेम्पलटन	60,525	-27
येस एमएफ	81	-26
जेएम फाइनैंशियल एमएफ	2,135	-11
इंडियाबुल्स एमएफ	632	-5
बीओआई अक्सा एमएफ	2,211	-3

स्रोतः एम्फी, प्रबंधन अधीन औसत परिसंपत्तियां

पेटीएम बोर्ड में शामिल हो सकते हैं नीरज अरोड़ा

नेहा अलावधी
नई दिल्ली, 7 जुलाई

पेटीएम की तीन अरब डॉलर की आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) से पहले व्हाट्सऐप के पूर्व वैश्विक व्यापार प्रमुख नीरज अरोड़ा पेटीएम के निदेशक मंडल में दोबारा शामिल हो सकते हैं। सूत्रों ने जानकारी दी है।

अरोड़ा वर्ष 2015 से 2018 के दौरान पेटीएम के निदेशक मंडल में थे। अरोड़ा ने फरवरी 2018 में पेटीएम का निदेशक मंडल छोड़ दिया था। ऐसा माना जाता था कि इसकी वजह पेटीएम के संस्थापक विजय शेखर शर्मा की यूपीआई के क्षेत्र में व्हाट्सएप के विनियामकी हेरफेर के संबंध में की गई टिप्पणियां थी। उसी साल नवंबर में अरोड़ा ने 'परिवार के साथ समय बिताने के लिए' व्हाट्सएप छोड़ दिया था।

एक शुरुआती चरण वाली उद्यम पूंजी फर्म - वेंचर हाईवे के सलाहकार हैं। टिप्पणी किए जाने के अनुरोध पर अरोड़ा ने तुरंत कोई जवाब नहीं दिया।

व्हाट्सऐप से पहले अरोड़ा ने गूगल में काम किया था, जहां उन्होंने अन्य चीजों के साथ-साथ, इस प्रौद्योगिकी दिग्गज में अधिग्रहण और रणनीतिक निवेश का नेतृत्व किया। रआरओसी की सूचना के अनुसार, पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस ने कहा कि एंट ग्रुप के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डगलस लेहमैन फेगिन कंपनी के निदेशक मंडल में शामिल हो गए हैं। इसके अलावा सामा कैपिटल में प्रबंध साझेदार ऐश लिलानी को कंपनी का स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किया गया है। अलीबाबा ग्रुप होल्डिंग से माइकल युएन जेन याओ और बर्कशायर हैथवे में निवेश प्रबंधक टोड एंथनी कॉम्ब्स 30 जून को वन97 के निदेशक मंडल से सेवानिवृत्त हो गए हैं।

SBI

भारतीय स्टेट बैंक

(भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 के अंतर्गत गठित)

शेयर एवं बॉण्ड विभाग, कॉर्पोरेट सेन्टर, 14वीं मंजिल, स्टेट बैंक भवन, मैडम कामा रोड, नरीमन पॉइंट, मुंबई - 400021.

वेबसाइट: https://bank.sbi **ई-मेल:** investor.complaints@sbi.co.in

फोन नं: 022-22741474, 22740841,22742403, 22740846, 22740843

भुगतान-रहित / दावा-रहित लाभांश के लिए प्रक्रिया

प्रिय शेयरधारक,

1. हम अपने सम्माननीय शेयरधारकों को यह सूचना देना चाहते हैं कि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) अधिनियम, 1955 के अनुच्छेद 38ए (3) के अनुसार, लाभांश की कोई भी राशि जो सात वर्ष की अवधि तक भुगतान-रहित या दावा-रहित रहती है, तो उसे बैंक द्वारा इंवेस्टर एजुकेशन एंड प्रोटेक्शन फंड (आईईपीएफ) में अंतरित कर दिया जाएगा. इसके बाद लाभांश की उस राशि को संबंधित शेयरधारक द्वारा केवल आईईपीएफ के माध्यम से ही दावा किया जा सकता है.
2. तदनुसार, **वित्तीय वर्ष 2013-14** के दौरान एसबीआई द्वारा घोषित अंतिम लाभांश एवं भुगतान-रहित/दावा-रहित रहने वाला लाभांश बकाया हो गया है और उसे निर्धारित समय-सीमा में आईईपीएफ में अंतरित कर दिया जाएगा. इसलिए, वित्तीय वर्ष 2013-14, एवं उसके बाद के वित्तीय वर्षों, यानी 2014-15, 2015-16 एवं 2016-17 के भी भुगतान-रहित/दावा-रहित लाभांश के लिए अपना दावा **२४ जुलाई, २०२१** तक **बैंक के रजिस्ट्रार एंड ट्रांसफर एजेंट (आरटीए)** को निम्नांकित पते पर निम्नांकित दस्तावेज़ जमा करके भेज दें :
   (ए) यदि शेयर इलेक्ट्रॉनिक/डीमेट स्वरूप में रखे हों :
   - दावा-रहित लाभांश जारी करने हेतु एक अनुरोध पत्र, जिसमें आपका डीपी/क्लाइंट आईडी दर्ज हो, जो शेयरधारक(कों) द्वारा उपयुक्त रूप से हस्ताक्षरित हो.
   - अद्यतन क्लाइंट मास्टर लिस्ट (सीएमएल) की स्व-प्रमाणित प्रति.

   (बी) भौतिक धारणीयता के मामले में :
   - दावा-रहित लाभांश जारी करने हेतु एक अनुरोध पत्र, जिसमें आपका पंजीकृत फोलियो नंबर दर्ज हो, जो शेयरधारक एवं संयुक्त शेयरधारकों (यदि कोई हों) द्वारा उपयुक्त रूप से हस्ताक्षरित हो.
   - आपके एवं संयुक्त धारकों (यदि कोई हों) के पैन कार्ड की स्व-प्रमाणित प्रति.
   - निवास का प्रमाण, जैसे कि बिजली के बिल/ड्राइविंग लाइसेंस/आधार कार्ड/पासपोर्ट (कोई एक) की स्व-प्रमाणित प्रति, जिसमें वर्तमान पता प्रदर्शित हो.
   - एक कैंसल्ड चेक / पासबुक या बैंक खाता-विवरण (3 माह से अधिक पुराना नहीं) की प्रति जो बैंक अधिकारी द्वारा प्रमाणित हो, जिसमें बैंक खाता, आईएफएससी एवं बैंक शाखा कोड के विवरण प्रदर्शित हों.
3. आईईपीएफ से दावा-रहित लाभांश का दावा करने हेतु प्रक्रिया को आईईपीएफ की वेबसाइट (http://www.iepf.gov.in) पर दिया गया है. कृपया इस वेबसाइट पर दिए गए निर्देश पढ़ें और उसके अनुसार अपना दावा दाखिल करें. कृपया एसबीआईएन (SBIN) में आईईपीएफ उद्देश्य के लिए एसबीआई का बीसीआईएन दर्ज करें.
4. यदि आपके पास भारतीय स्टेट बैंक के शेयर भौतिक स्वरूप में हों, तो इस स्थिति में, तो कृपया **भौतिक शेयरों को तुरंत अभौतिक (डीमेट) स्वरूप में बदलवा लें,** क्योंकि सेबी के दिशा-निर्देशों में भौतिक स्वरूप में शेयरों का अंतरण/विक्रय प्रतिबंधित किया गया है.
5. संवाद में आसानी और निर्बाध प्रेषण सुनिश्चित करने के लिए कृपया अपने केवायसी डेटा, जिनमें पता, ई-मेल आईडी, फोन नंबर और बैंक खाता विवरण शामिल हैं, को डीपी/आरटीए के साथ अद्यतन करें.
6. कृपया अपना दावा / पूछताछ हमारे आरटीए, मे. एलेंकिट (अलंकित) असाइनमेंट्स लिमिटेड, (युनिट : भारतीय स्टेट बैंक), 205-208, अनारकली कॉम्प्लैक्स, झंडेवाला एक्सटेंशन, नई दिल्ली - 110055 पर भेजें. टेलीफोन : 7290071335, ई-मेल आईडी : sbi.igr@alankit.com.

भारतीय स्टेट बैंक हेतु

शाम के.
सहायक महाप्रबंधक
(अनुपालन एवं कंपनी सचिव)

स्थान : मुंबई
दिनांक : 8 जुलाई, 2021

एवेन्यू सुपरमार्ट्स को लेकर अल्पावधि में मार्जिन की चिंता

राम प्रसाद साहू
मुंबई, 7 जुलाई

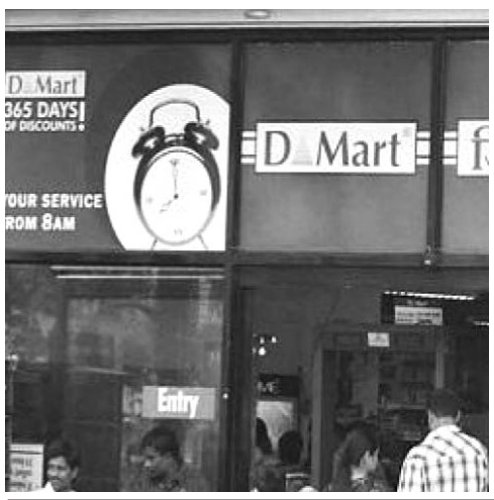

- **कोविड प्रभावित तिमाही को अलग रखा जाए, तो कंपनी की बिक्री में वित्त वर्ष 2020 की पहली तिमाही के मुकाबले करीब 13 प्रतिशत की कमी आई है**
- **हालांकि उसका 80 प्रतिशत परिचालन मई में प्रभावित हुआ था, हालांकि बाद में हालात में सुधार आया था**
- **कंपनी के प्रदर्शन में उसके ऑनलाइन डिलिवरी प्लेटफॉर्म डीमार्ट रेडी में वृद्धि की वजह से सुधार दर्ज करने में मदद मिल सकती है**
- **जब हालात सामान्य हो जाएंगे तो स्टोरों की संख्या में तेज वृद्धि देखी जा सकती है**

डीमार्ट चेन स्टोरों का संचालन करने वाली एवेन्यू सुपरमार्ट्स उन उम्मीदों पर तेजी से आगे बढ़ रही है कि सभी राज्यों में लॉकडाउन हटने के बाद वह मुख्य लाभार्थी होगी।

अप्रैल के अंत के निचले स्तरों के बाद, यह शेयर 23 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ा है, क्योंकि बाजार में उसके ऑनलाइन स्टोर डीमार्ट रेडी के लिए कुछ लोकप्रियता बरकरार रहने और रिटेल स्पेस में बाजार भागीदारी कायम रहने का अनुमान जताया है। धारणा को इन उम्मीदों से भी और मजबूती मिली है कि उसे निफ्टी-50 में शामिल किया जाएगा।

हालांकि अल्पावधि कारक जून तिमाही में उसका प्रदर्शन होगा। कंपनी ने अपने बिक्री संबंधित अपडेट में 5,031 करोड़ रुपये का मुख्य राजस्व दर्ज किया, जो अनुमानों की तुलना में कम था। जहां राजस्व तिमाही आधार पर 31 प्रतिशत घटा है, वहीं एक साल पहले की तिमाही के मुकबले इसमें समान मात्रा में तेजी आई है। यदि कोविड प्रभावित तिमाही को अलग रखा जाए, तो कंपनी की बिक्री में वित्त वर्ष 2020 की पहली तिमाही के मुकाबले करीब 13 प्रतिशत की कमी आई है।

हालांकि उसका 80 प्रतिशत परिचालन मई में प्रभावित हुआ था, हालांकि बाद में हालात में सुधार आया था। कंपनी के ज्यादातर स्टोरों में महाराष्ट्र का योगदान है। इसे देखते हुए कुल सुधार में अन्य रिटेलरों के मुकाबले लंबा समय लग सकता है।

एडलवाइस रिसर्च का मानना है कि डीमार्ट स्टोर पूरी तरह परिचालन शुरू होने पर अच्छा सुधार दर्ज कर सकते हैं। एडलवाइस रिसर्च के अबनीश रॉय का कहना है, 'पिछले साल के रुझानों के आधार पर स्टोर जहां जून में धीरे धीरे खुल गए, वहीं जुलाई 2020 तक 80 प्रतिशत स्टोर चालू हो गए और सितंबर 2020 तक यह प्रतिशत 90 पर पहुंच गया था।' राजस्व वृद्धि के अलावा, बाजार की नजर उत्पाद मिश्रण पर भी लगी रहेगी, क्योंकि इससे तिमाही में हासिल होने वाला मार्जिन प्रभावित होगा। पहली तिमाही के लिए, ओसवाल फाइनैंशियल सर्विसेज ने अनुमान जताया कि नॉन-डिस्क्रेशनरी (फूड, गैर-फूड एफएमसीजी) सेगमेंट कोविड-पूर्व स्तर के 95 प्रतिशत तक प्रभावित होगा, जबकि डिस्क्रेशनरी राजस्व सुधरकर कुल बिक्री के 60 प्रतिशत पर पहुंच सकता है। ग्रोसरी/भोजन खंड की बिक्री का कुल बिक्री में 77 प्रतिशत योगदान है।

उत्पाद मिश्रण में सुधार से कंपनी को मार्च तिमाही में अपना परिचालन मुनाफा मार्जिन 170 आधार अंक तक बढ़ाकर 8.4 प्रतिशत पर पहुंचाने में मदद मिली। हालांकि लाभ प्रभावित हो सकता है, क्योंकि लॉकडाउन की वजह से ऊंचे मार्जिन वाले सामान की बिक्री कम हुई है और इस वजह से तिमाही में इसका अनुपात कमजोर रह सकता है।

कंपनी के प्रदर्शन में उसके ऑनलाइन डिलिवरी प्लेटफॉर्म डीमार्ट रेडी में वृद्धि की वजह से सुधार दर्ज करने में मदद मिल सकती है। कंपनी अपनी उपस्थिति (मौजूदा समय में सात शहरों) बढ़ा रही है और डीमार्ट रेडी पर कई और उत्पाद शामिल कर रही है। गोल्डमैन सैक्स को इस सेगमेंट से बिक्री योगदान वित्त वर्ष 2021 के 3 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2029 में 20 प्रतिशत पर पहुंच जाने की संभावना है। उसे उम्मीद है कि डीमार्ट रेडी वित्त वर्ष 2025 तक कर-पूर्व सकारात्मक स्थिति में पहुंच जाएगी।

जब हालात सामान्य हो जाएंगे तो स्टोरों की संख्या में तेज वृद्धि देखी जा सकती है। कंपनी ने मौजूदा 238 स्टोरों के साथ वित्त वर्ष 2021 के शुरू से अब तक 24 स्टोर शामिल किए हैं। वित्त वर्ष 2022 के लिए 39 स्टोरों (चार स्टोर पहली तिमाही में खुले) के लक्ष्य को देखते हुए, कंपनी को अगले 9 महीनों में 35 स्टोर शामिल होने की संभावना है।

संगठित रिटेल में कम भागीदारी, बाजार भागीदारी वृद्धि के लिहाज से मजबूत बैलेंस शीट को देखते हुए बाजार एवेन्यू सुपरमार्ट्स को लेकर सकारात्मक है। हालांकि निवेशकों को इस शेयर पर विचार करने से पहले राजस्व वृद्धि और मार्जिन में तेजी के रुझानों का इंतजार करना चाहिए।